आज का सुविचार
किसी व्यक्ति के श्रम का सच्चा प्रतिफल वह नहीं है जो उसे मिलता है, बल्कि यह है कि वह उस परिश्रम से क्या बनता है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करें -9425156055

वर्ष 9, अंक- 45 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

विरासत के साथ विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के संकल्प का एक वर्ष

डॉ. मोहन यादव

भोपाल। देश का हृदय प्रांत मध्यप्रदेश गौरवशाली इतिहास और विश्वविख्यात सांस्कृतिक परंपराओं के लिये प्रसिद्ध है। सृष्टि के आरंभ से लेकर अब तक मानव सभ्यता के कई चिन्ह मध्यप्रदेश की धरती पर हैं। यहां पर्याप्त भू-संपदा, वन-संपदा, जल-संपदा, और खनिज-संपदा है। हम विगत एक वर्ष में विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के साथ प्रदेश की विरासत को सहेजने के संकल्प को लेकर आगे बढ़े हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि डबल इंजन की सरकार का लाभ मध्यप्रदेश और प्रदेशवासियों को मिल रहा है। इस विशेष संयोग में प्रदेश ने नवाचारों के साथ विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इन दिनों प्रदेश में जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। यह प्रदेश की समृद्धि का उत्सव है। इसमें भविष्य की कई संभावनाएं आकार लेंगी। शासन-प्रशासन और प्रदेशवासी सभी मिलकर विकास की गंगा बहाएंगे। आपकी सरकार, आपके द्वार होगी और जनता के हित जनता तक पहुंचेंगे। इसमें नई सौगातें भी शामिल होंगी मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो के स्वप्न को मध्यप्रदेश में धरातल पर उतारा जा रहा है। 17 दिसंबर को पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना तथा 25 दिसंबर को केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किया जायेगा। यह आनंद का विषय है कि मध्यप्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य है जहां 2 नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इससे जलस्त्रोत परस्पर जुड़ेंगे तो धरती का जल स्तर सुधरेगा, हमारे गांव और क्षेत्रों को पानी सुलभ होगा तथा अन्नदाता को सिंचाई के लिये पर्याप्त पानी मिलेगा। प्रदेश में जिस तरह कृषि, उद्योग, पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन के लिये संभावनाएं विकसित हो रही हैं। इसमें औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति की त्रिवेणी से गरीबी पूर्णतः समाप्त हो जायेगी। पिछले दिनों रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करके मध्यप्रदेश के गांव-गांव को औद्योगीकरण और आधुनिक उत्पाद से जोड़ने का प्रयत्न किया गया है। भविष्य में जिला स्तर पर भी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित होंगी। हैदराबाद, कोयंबटूर तथा मुंबई में रोड-शो और यूके-जर्मनी के उद्योगपतियों को निवेश के लिये प्रदेश में आमंत्रित करना उद्योग विस्तार का उपक्रम है।

BNS- नए कानून में प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार क्यूँ बनाया गया है जानिए सरल भाषा मे

नए कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 में धारा 34 से 44 में व्यक्तियों को प्राइवेट प्रतिरक्षा के कानूनी अधिकार दिए गए हैं।

कानून द्वारा व्यक्ति को निजी प्रतिरक्षा का अधिकार दिए जाने का एक अन्य कारण यह है कि व्यावहारिक दृष्टि से राज्य के लिए यह सम्भव नहीं है कि वह अपने सीमित साधनों से प्रत्येक व्यक्ति की प्रत्येक क्षति से रक्षा कर सके, इसलिए कानून व्यक्ति को एक निश्चित सीमा तक स्वयं के शरीर व संपत्ति की स्वयं रक्षा करने का अधिकार देता है। लेकिन साथ ही यह अपेक्षा करता हैं कि निजी प्रतिरक्षा के लिए किया गया बल प्रयोग उस सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए जो उन परिस्थितियों में एक सामान्य व्यक्ति को ठीक समझे।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

इसी सन्दर्भ में महत्वपूर्ण निर्णय जानिए-

1. **टामस बनाम मध्यप्रदेश राज्य** - के मामले मे यह अभिनिर्धारित किया कि प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार केवल तब ही उत्पन्न होता है जब व्यक्ति के सामने दो विकल्प रह गए हों या तो वह आक्रमणकारियों के समक्ष समर्पण कर दे या उस परिस्थिति में बचाव के लिए आवश्यक बल का प्रयोग करते हुए स्वयं का बचाव करे।
2. **चाको मथाई बनाम केरल राज्य** - मामले मे केरल उच्च न्यायालय ने कहा कि विधि विरुद्ध आक्रमणों से अपनी रक्षा स्वयं करने की दशा में प्राइवेट प्रतिरक्षा का बचाव एक बहुमूल्य उपहार के समान है द्व विधि किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा नहीं करती कि उस पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आक्रमण किए जाने की दशा में वह कायरता से उसे सहन कर ले तथा अपनी संपत्ति को छोड़कर भाग खड़ा हो, ऐसी स्थिति में उससे यह अपेक्षित है कि वह उचित बल प्रयोग करते हुए आक्रमणकारी का मुकाबला करे और अपने शरीर व संपत्ति की स्वयं रक्षा करे।

अपराध की सूचना पुलिस को नहीं देने पर क्या दंड का प्रावधान होगा जानिए/BNS-IPC..

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 33 में बताया गया है कि कुछ अपराधों की सूचना पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को देना आम जनता का कर्तव्य है एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 34,में बताया गया है कि ग्राम के नियोजित अधिकारी को अपराध की सूचना या फरार व्यक्ति की सूचना तुरंत मजिस्ट्रेट या पुलिस को देना कर्तव्य है। अगर कोई व्यक्ति या ग्राम का नियोजित अधिकारी अर्थात सरपंच, पंच,पटेल या सचिव, प्रधान आदि अपराध की सूचना नहीं देता है तब उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की किस धारा के अंतर्गत कार्यवाही होगी जानिए।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 239 की परिभाषा ??

कोई व्यक्ति जो किसी अपराध के घटित होने की सूचना देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है और वह जानबूझकर ऐसे अपराध की सूचना देने का लोप करता है या सूचना, इत्तिला नहीं देता है तब वह व्यक्ति BNS की धारा 239 के अंतर्गत दोषी होगा। एच. एस. राठौर बनाम राज्य मामले मे सुप्रीम कोर्ट ने अभिनिर्धारित किया कि मुख्य अपराध पूरा होने के बाद मे ही यह धारा लागू होगी अर्थात जब कोई अपराध हुआ है और होने के बाद व्यक्ति सूचना नहीं देता है तब उसे दण्डित किया जाएगा। भगवान स्वरुप बनाम राजस्थान राज्य मामले मे न्यायालय द्वारा कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति को यह पता है कि किसी अमुक (अन्य) व्यक्ति की मृत्यु अप्राकृतिक रूप से हुई है तो उसका कर्तव्य है कि वह इसकी सूचना पुलिस को दे।

Bharatiya Nyaya Sanhita Section 239 Provision of punishment

यह अपराध सं असंज्ञेय एवं यह जमानतीय अपराध होते हैं , अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध की एफआईआर भी दर्ज नहीं होती है लेकिन पुलिस अधिकारी NCR लिख सकती है , इस अपराध के लिए न्यायालय में परिवाद लगाया जा सकता है। एवं सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है और यह अपराध समझोता योग्य नहीं होते हैं अर्थात इनमे राजीनामा नहीं किया जा सकता है।

सजा- इस अपराध के लिए अपराधी व्यक्ति को छः माह की कारावास या 5000/- रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक बीआर अहिरवार
(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार नर्मदापुरम)

स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए विशेषज्ञों और विद्वानों के सुझाव सदैव आमंत्रितः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से डॉ. तिवारी ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और भविष्य-उन्मुख बनाने के लिए विशेषज्ञों और विद्वानों के सुझावों का स्वागत करती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन में एसोसिएट प्रोफेसर और इमेजिंग एंड रेडिएशन साइंसेज की सह-निदेशक डॉ. पल्लवी तिवारी ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। डॉ. तिवारी, जो एआई और प्रिसिजन मेडिसिन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी शोधकर्ता हैं, ने अपने गृह राज्य और देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए सहयोग की इच्छा व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ. तिवारी को उनके कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं और सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ. तिवारी के नाम पर 70 से अधिक शोध प्रकाशन, 14 पेटेंट (8 जारी, 6 लंबित) और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं।

पल्स पोलियो अभियान के विशेष चरण में 36 लाख 74 हज़ार बच्चों को पिलाई गयी पोलियो ड्रॉप

भोपाल। मध्यप्रदेश के 16 अति-संवेदनशील जिलों में 8 से 10 दिसंबर 2024 तक पल्स पोलियो अभियान का विशेष चरण सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 38 लाख 64 हज़ार लक्षित बच्चों में से 36 लाख 74 हज़ार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई, जो लक्ष्य का 95.08त है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी ग्राउंड वर्कर्स, चिकित्सा अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता स्वास्थ्य कर्मियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभियान में लगे सभी कर्मियों की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह अभियान सरकार और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाया जाए, जिससे हर बच्चा सुरक्षित और स्वस्थ रहे। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से भविष्य में भी इसी प्रकार के समर्पण की अपेक्षा व्यक्त की।

आमजन को उच्च स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करें : मंत्री श्री परमार

यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की साधारण सभा सम्पन्न

भोपाल। आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल की साधारण सभा सम्पन्न हुई। बैठक में विधायक श्री भगवान दास सबनानी आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, आयुक्त निधि निवेदिता सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय के प्रस्तावित हम्माम, टीचिंग फार्मेसी, लैब एवं अग्निशमन (फायर सैफ्टी) संबंधी कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिये। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मेहमूदा बेगम द्वारा बैठक में बजट संबंधी एजेन्डा प्रस्तुत किया गया। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई एवं महाव्िालय की उन्नति के लिये अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही मंत्री श्री परमार द्वारा महाविद्यालय के कार्यों की समीक्षा करते हुए आमजन को उच्च स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान किए जाने के निर्देश भी दिये। महाविद्यालय के सभागार में म.प्र. लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित प्रशिक्षणरत चिकित्सा अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री परमार द्वारा अधिकारियों को जन-सेवा की भावना से प्रदेश के दूर अंचलों में अपनी सेवाएं देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से भारत के पारम्परिक रूप के संवर्धन एवं परिणाम आधारित प्रयास किये जाने के निर्देश दिये, जिससे देश एवं प्रदेश का विकास हो सके।

ई दक्ष केन्द्र मे दिया गया राजस्व वसूली का प्रशिक्षण

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट। ई दक्ष केन्द्र मे राजस्व वसूली पोट?ल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है कलेक्टर मृणाल मीना के मार्ग दर्शन मे बुधवार को जिले के ई दक्ष केन्द्र मे राजस्व वसूली पोट?ल ब्रिस्क का प्रशिक्षण संपन्न कराया गया इस प्रशिक्षण के माध्यम से समस्त तहसीलदार अग्रणी जिला प्रबंधक एव जिले के समस्त बैक प्रबंधको को ऑनलाइन एंव ऑनलाइन तरीके से ब्रिस्क पोट?ल पर जारी आर आरसी के संबंध मे प्रशिक्षण प्रदाय किया गया प्रशिक्षण मे बताया गया कि वेब आधारित साफ़्टवेयर एप्लीकेशन का उद्देश्य बैंको द्वारा संबंधित जिला प्रशासन को जारी करने के लिए आर आर सी राजस्व वसूली प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत करना है जिला प्रशासन दारा आर आर सी जारी करना राज्य मे आर आर सी के विरुद्ध जिला बैक राजस्व अधिकारी वार वसूली को ट्रैक करना तथा वसूली के विरुद्ध राजकोश मे जमा किए गए सरकारी शुल्को की निगरानी करना है।

जनसुनवाई मे नही पहुंचे अफसर जारी होंगे नोटिस

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट। जनसुनवाई से नदारद होकर अपने प्रतिनिधि को भेजकर जनसुनवाई का कोरम पूरा करने वाले अधिकारियो को नोटिस जारी किया जाएगा जनसुनवाई मे कलेक्टर मृणाल मीना ने सख्ती दिखाते हुए यह निर्देश जारी किए है जनसुनवाई मे अलग अलग विभागो के करीब 10 अफसर नदारत रहे जनसुनवाई के दौरान कई जिला अधिकारी अनुपस्थित पाये गए तो कलेक्टर श्री मीना ने सभी अनुपस्थित अधिकारियो को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है ज्ञात हो कि कुछ अधिकारियो दारा स्वय अनुपस्थित रहकर अपने प्रतिनिधियो को जनसुनवाई मे भेजना पाया गया इस कारण जनसुनवाई मे आने वाले आवेदको के संबंध मे पर्यात जानकारी नही होने से समयावधि मे पत्रो के निराकरण मे समस्या होती है साथ अन्य कार्यो.को देखते हुए कलेक्टर श्री मीना ने सभी को एक दिन का वेतन काटने के संबंध मे नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है जो अधिकारी अनुपस्थित रहे उनमे सीएमएचओ डीएमओ डाउसिग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री पेशन अधिकारी वेयर हाउसिंग फारेस्ट उत्तर आरटीओ व मंडी के अधिकारी अनुपस्थित रहे।

संघ के कार्यो की जानकारी देकर सदस्य बनने प्रेरित किया

भारतीय. मजदूर संघ के पदाधिकारियो ने वारासिवनी मे मजदूरो से जनसंपर्क किया

ज्ञान चन्द शर्मा। वारासिवनी भारतीय मजदूर संघ के 70 वे वर्ष मे प्रवेश के अवसर पर संघ द्वारा श्रमिक संपर्क अभियान चलाया जा रहा है इस संपर्क अभियान के दौरान संघ के पदाधिकारियो व सदस्यो ने नगर के विभिन्न स्थानो पर बैठने वाले टैक्सी चालक ऑटो चालक रिक्शा चालक पेट्रोल पंप मे काम करने वाले मजदूर श्रमिक हाथ ठेला चालक कृषि उपज मंडी के हमाल सब्जी मंडी मे काम करने वाले मजदूर व हमाल नगरपालिका परिषद वारासिवनी के सफाई कमी रेडडी वाले मजदूर सहित अन्य श्रमिको व मजदूरो से मुलाकात की इस दौरान इन पदाधिकारियो व सदस्यो ने इन मजदूरो व श्रमिको को भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति से अवगत कराया और उन्हे संघ के सदस्य बनने के लिए पेररित किया इस जनसंपर्क अभियान के दौरान भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे जिला अध्यक्ष योगेश यादव जिला मंत्री मनोज सोहागपुर कोषाध्यक्ष गोपाल फुलोके वारासिवनी संपर्क टोलो से डॉक्टर लोकचंद ठाकरे तरूण बनवारी प्रदीप श्रीवास्तव विनय सुराना ताहिर खान प्रीतेश बोपचे दशाराम पटेल धन्नुलाल चौधरी व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया स्वास्थ्य शिविर, लगाई गई प्रदर्शनी

सिकल सेल एनीमिया की, की गई जांच

शहडोल रोहित तिवारी

शहडोल। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर शहडोल के बाणगंगा में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में कलेक्टर डॉ.केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर व विभागीय प्रदर्शनी लगाई गई । स्वास्थ्य शिविर लगभग 274 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमे 9 टीवी के संभावित मरीजों की एस्पुटम स्लाइड, 7 लोगों की सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, कुष्ठ, क्षय, 70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने जैसे अन्य योजनाओं से संबंधित का प्रदर्शनी लगाकर स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई व स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं के पंपलेट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्टॉफ नर्स सहित अन्य चिकित्सकीय अमला उपस्थिति था।

प्रदेश के होनहार छात्र ने बनाई उड़ने वाली कार

एक व्यक्ति को चार किलोमीटर तक ले जाने में सक्षम

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

जो मेहनत करेगा वही प्रगति करेगा। वही आगे बढ़ेगा। वही अविष्कार करेगा, वही तरक्की करेगा। हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। संसाधनों की कमी के बावजूद देश के प्रतिभावान छात्र अवसर व सही मार्गदर्शन मिले तो किसी भी क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकते हैं । संसाधनों की कमी किसी को भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।

आपको बतायेंगे एक ऐसे ही होनहार छात्र के बारे में जिसने अपनी मेहनत से एक ऐसा ड्रोन या यूं कहें कि हवाई कार तैयार कर लिया है जो अपने साथ 80 किलो वजन के एक व्यक्ति को भी ले जाने में सक्षम है । मध्यप्रदेश के एक स्कूल में बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने यह कमाल कर दिखाया है। मेधांश त्रिवेदी ने तीन महीने की मेहनत व लगभग साढ़े तीन लाख रुपए की लागत से 45 हॉर्स पावर का यह अनोखा ड्रोन बनाया है। फिलहाल ड्रोन अभी कुछ मिनटों तक ही उड़ सकता है। मेधांश ने इस ड्रोन को MLDT-1 नाम दिया है, आश्चर्य की बात यह है की इस होनहार छात्र ने केवल अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में व बिना किसी बड़े तकनीकी सहयोग के इसे बनाया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने छात्र की प्रशंसा की है ।

साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं से निपटने एवं तकनीकी नॉलेज बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय सेमिनार आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

मोबाइल एवं इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के कारण दिनों-दिन बढ़ रही साइबर अपराधों की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा आगामी समय में आने वाली साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए भोपाल के सभी थानों में 1 दिसंबर से साइबर हेल्प डेस्क की शुरुआत की है। साइबर अपराध में दिनों दिन बढ़ोत्तरी हो रही है। पहले पीड़ित को साइबर धोखाधड़ी की शिकायत हेतु साइबर शाखा जाकर आवदेन देना पड़ता था। शहर में एक ही साइबर थाना होने से पीड़ितों को साइबर थाने जाने में समय लगता था और परेशानी होती थी। विगत कुछ वर्षों में साइबर अपराधों में बेतहाशा वृद्धि से साइबर शाखा में शिकायतें लंबित हो रही थी। इन सभी बिंदुओं एवं आमजन की सहूलियत को दृष्टिगत रखते हुए दिनाँक 1 दिसंबर से पीड़ित 5 लाख रुपये तक की धोखाधड़ी की शिकायत सम्बंधित थानों में कर रहे हैं। इसी क्रम में दिनाँक 9 से 12 दिसंबर तक 3 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र चलाया जा रहा है, जिसमें साइबर क्राइम की टेक्निकल टीम द्वारा प्रशिक्षण के दौरान साइबर क्राइम की शिकायत को किस प्रकार से पोर्टल पर अपलोड करना, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स इत्यादि से जानकारी मंगाना एवं बैंक से अकाउंट डिटेल, डाटा रिकवरी, सीडीआर एनालिसिस, ई-साक्ष्यों एवं फिजिकल साक्ष्य को एकत्रित करना, अपराधियों की गिरफ्तारी, रिमांड, इत्यादि के सम्बंध में बारीकी से बताया गया।

प्रशिक्षण के अवसर पर पुलिस उपायुक्त क्राइम अखिल पटेल ने बताया कि साइबर क्राइम आने वाले समय में पुलिस और आमजनों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनेगी, साइबर ठग दिनों दिन विभिन्न तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। प्राप्त शिकायत पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही कर पीड़ित की मदद तथा तकनीकी नॉलेज के आधार पर इनवेस्टिगेशन और अपराध की तह तक जाये। जरूरत पड़ने पर साइबर तकनीकी टीम या साइबर फोरेंसिक लैब की मदद लें। प्रशिक्षण में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने साइबर क्राइम अनुसंधान में आने वाली तकनीकी दिक्कतें, दीगर प्रदेशों से समन्वय तथा अनुसंधान के दौरान एकत्रित किए जाने वाले डिजिटल साक्ष्य, दस्तावेज़ इत्यादि के सम्बंध में सारगर्भित मार्गदर्शन दिया। पुलिस अधिकारी कर्मचारियों की तकनीकी नॉलेज बढ़ाने एवं उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए नगरीय पुलिस भोपाल के 37 थानों के निरीक्षक से आरक्षक स्तर के लगभग 400 अधिकारी कर्मचारीयों को पहले 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में NCCRP, JMIS एवं CEIR पोर्टल तथा साइबर क्राइम की रोकथाम, टेक्निकल एनालिसिस, पब्लिक अवेयरनेस, इन्वेस्टिगेशन इत्यादि से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। साइबर अपराधों से बचने के इन बातों का ध्यान रखें अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के लिए मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें।दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें, जो आपके अकाउंट्स की सुरक्षा को बढ़ाता है। अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर वायरस स्कैनर सॉफ्टवेयर का उपयोग करें।केवल सुरक्षित वेबसाइट्स पर जाएं, जिनके ऋ में "https" होता है।सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और अज्ञात लोगों से दोस्ती न करें। अपने बैंक अकाउंट्स, क्रेडिट कार्ड अकाउंट्स, और अन्य ऑनलाइन अकाउंट्स की नियमित रूप से जांच करें। यदि आपको लगता है कि आपके साथ साइबर अपराध हुआ है, तो तुरंत पुलिस या साइबर सेल को रिपोर्ट करें।

अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें, क्योंकि वे मैलवेयर या फ़िशिंग हमलों का कारण बन सकते हैं। ऑनलाइन अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, जैसे कि आपका पता, फोन नंबर, या बैंक खाता विवरण।अज्ञात ईमेल्स का जवाब न दें, क्योंकि वे फ़िशिंग हमलों का कारण बन सकते हैं। अज्ञात सॉफ्टवेयर न डाउनलोड करें, क्योंकि वे मैलवेयर या वायरस का कारण बन सकते हैं। सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क्स का उपयोग न करें, क्योंकि वे असुरक्षित हो सकते हैं।

नवीनतम स्टील्थ गाइडेड मिसाइल युद्ध-पोत आईएनएस तुशिल रक्षा मंत्री की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

नवीनतम बहुउद्देश्यीय भूमिका वाले रडार से बच निकलने में सक्षम गाइडेड मिसाइल की युद्ध प्रणाली से लैस आईएनएस तुशिल (एफ 70) को 9 दिसंबर, 2024 को रूस में कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में आईएनएस तुशिल की तैनाती को भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का गौरवपूर्ण प्रमाण व भारत और रूस के बीच दीर्घकालिक मैत्री में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। आईएनएस तुशिल परियोजना 1135.6 के अंतर्गत उन्नत क्रिवाक III श्रेणी का युद्धपोत है, जिसमें से छह पहले से ही सेवा में हैं - तीन तलवार श्रेणी के जहाज हैं, जो सेंट पीटर्सबर्ग के बाल्टिस्की शिपयार्ड में निर्मित हैं और तीन अनुवर्ती टेग श्रेणी के जहाज हैं, जो कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में बने हुए हैं। आईएनएस तुशिल इस श्रृंखला का सातवां पोत है, जो दो उन्नत अतिरिक्त अनुवर्ती पोतों में से पहला है, जिसके लिए अनुबंध पर अक्टूबर, 2016 में जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, भारतीय नौसेना तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। आईएनएस तुशिल को वायु, सतह, पानी के भीतर और विद्युतचुंबकीय क्षेत्र में नौसैन्य युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम में समुद्री गतिविधियों के लिए डिजाइन किया गया है। यह कई प्रकार के उन्नत हथियारों से सुसज्जित है, जिनमें संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, उन्नत रेंज वाली लंबवत प्रक्षेपित श्टिल सतह से हवा में मार करने

वाली मिसाइल, उन्नत स्टेल्थ विशेषताओं वाली उन्नत मध्यम दूरी की वायुरोधी और सतही तोप, ऑप्टिकली नियंत्रित निकट दूरी की तीव्र फायर गन प्रणाली, पनडुब्बी रोधी टारपीडो व रॉकेट तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और संचार प्रणाली शामिल हैं। यह युद्धपोत उन्नत पनडुब्बी रोधी और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग हेलीकॉप्टर, कामोव 28 और कामोव 31 को भी ले जाने में सक्षम है, जो अपने आप में जबरदस्त शक्तिवर्धक हैं। यह जहाज अत्याधुनिक नियंत्रण प्रणालियों के साथ उन्नत गैस टरबाइन प्रॉपल्सन संयंत्र द्वारा संचालित है और 30 नॉट से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। उच्च स्तर की ऑटोमेशन एवं स्टेल्थ विशेषताएं इसकी युद्धक क्षमता व उत्तरजीविता को और बढ़ाती हैं। इस जहाज की कमान कैप्टन पीटर वर्गीस के हाथों में है, जो एक तोपखाना और मिसाइल विशेषज्ञ हैं। आईएनएस तुशिल के निर्माण कार्यक्रम की आधारशिला 12 जुलाई, 2013 को रखी गई थी और अक्टूबर 2021 में इसका जलावतरण किया गया। जहाज 25 जनवरी, 2024 को अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए रवाना हुआ और अन्य परीक्षणों के साथ-साथ स्टेट कमेटी ट्रायल्स तथा अंत में बंदरगाह एवं समुद्र दोनों हिस्सों में वितरण स्वीकृति परीक्षणों का एक विस्तृत कार्यक्रम 24 सितंबर, 2024 तक पूरा कर लिया गया था। इस युद्धपोत ने अपने सभी रूसी हथियार प्रणालियों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है और यह युद्ध के लिए लगभग तैयार स्थिति में ही भारत पहुंचेगा।इस अवसर पर नौसेना प्रमुख ने परियोजना में शामिल सभी लोगों, विशेष रूप से शिपयार्ड श्रमिकों और सभी रूसी एवं भारतीय मूल के उपकरण निर्माताओं को उनके असाधारण कार्य, रूसी प्रणालियों के साथ भारतीय प्रणालियों के दोषरहित एकीकरण तथा इस परियोजना में प्राप्त गुणवत्ता क्षमता उन्नयन में योगदान के लिए बधाई दी।

संत सियाराम बाबा का एक सौ दस वर्ष की आयु में निधन दस साल खड़े रहकर की मौन तपस्या सत्तर साल किया रामचरित मानस का पाठ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

नर्मदा तट भट्याण से पूरे देश में धर्म व अध्यात्म की अलख जगाने वाले परम् पूज्य संत सियाराम बाबा का मोक्षदा एकादशी के दिन 110 वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया । उनका जाना भारतीय ज्ञान परंपरा और संत परंपरा के एक युग का अंत है। संत सियाराम बाबा पिछले कुछ दिन से निमोनिया से पीड़ित थे। बाबा ने बुधवार मोक्षदा एकादशी पर 6-10 बजे अंतिम सांस ली। देश भर में उनके अनुयायियों में शोक की लहर है। शाम 4 बजे नर्मदा नदी किनारे भटयान आश्रम क्षेत्र में अंत्येष्टि की गई। बताया जाता है कि सियाराम बाबा किसी से दस रुपये से ज्यादा चढ़ावा नहीं लेते थे, किसी ने यदि बीस रुपये रख दिये तो दस वापस दे देते थे, लेकिन जब अयोध्या में राम मंदिर में पैसे देने की बारी आई, तो सियाराम बाबा ने ढाई लाख रुपए दे दिए।

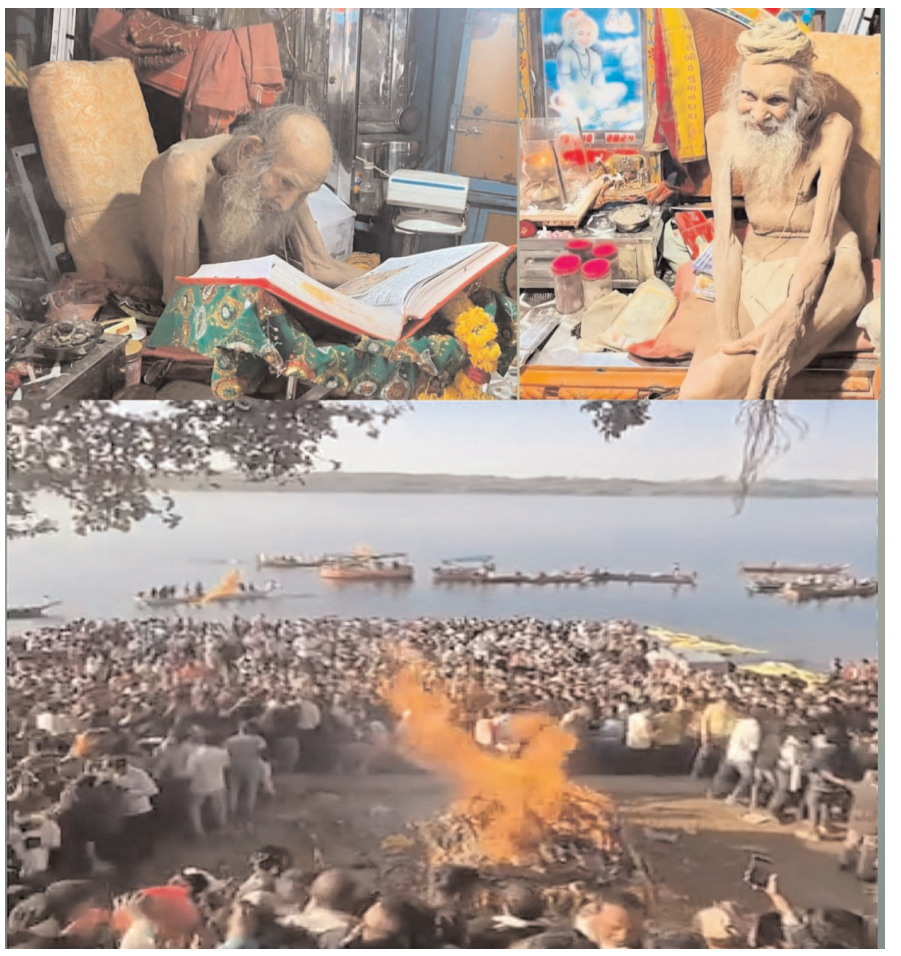

धन के निर्मोही ओर राम के मोही थे सियाराम बाबा।संत सियाराम बाबा के अनुयायियों के अनुसार बाबा का असली नाम कोई नहीं जानता। वे 1933 से नर्मदा किनारे रहकर तपस्या कर रहे थे। दस साल तक खड़े रहकर मौन तपस्या की। वे करीब सत्तर साल से रामचरित मानस का पाठ भी कर रहे थे। अपने तप और त्याग से लोगों के हृदय में जगह बनाई। धर्म साधना एवं मां नर्मदा की सेवा में समर्पित पूज्य बाबा जी ने असंख्य श्रद्धालुओं के जीवन को दिशा दी।पहली बार उनके मुंह से सियाराम का उच्चारण हुआ था। तभी से लोग उन्हें संत सियाराम बाबा के नाम से पुकारते हैं। मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव ने खरगोन जिले के ग्राम लेपा पहुंचकर दिव्य संत, परम पूज्य सियाराम बाबा जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की आपने त्याग, तप और भक्ति की त्रिवेणी से मां नर्मदा के इस पावन तट के साथ ही संपूर्ण प्रदेश को आध्यात्मिक प्रकाश से आलोकित किया। आपके देवलोकगमन से सनातन संस्कृति के अविरल प्रवाह में शून्यता का अनुभव हो रहा है। लोक कल्याण को आपने ईश्वर भक्ति का मार्ग बताया है, जिसे आत्मसात कर हम जन-जन के उत्थान के लिए प्रयास में सदैव समर्पित रहेंगे।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई, दो वाहन हुए जप्त

अनूप कुमार गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के थाना राजेंद्रग्राम पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध जोहिला पुल के पास वाहन चेकिंग की गई। वाहन चेकिंग के दौरान मोटर साइकिल क्रमांक स्क्ष -52ृ-2459 के वाहन चालक जो बसनिया तरफ से राजेन्द्रग्राम आ रहा था, जिसे रोका जाकर वाहन चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रहलाद सिंह पिता बिहारी सिंह उम्र 28 साल निवासी बम्हनी थाना समनापुर जिला डिंडोरी का होना बताया, चालक के मुंह से शराब की दुर्गन्ध आ रही थी, व शराब के नशे में वाहन को चला रहा था। वाहन चालक प्रहलाद सिंह का शराब परीक्षण अल्कोवाईजर मशीन से चेक किया गया तो एल्कोहल की मात्रा 224.5 द्वद्/100 द्वद्य पाया गया तथा एक बिना नंबर मोटरसाइकिल टीवीएस एस स्पोर्ट चालक को वाहन चैकिंग के दौरान रोककर चैक किया जो शराब के नशे में अपना वाहन चलाते पाया गया जिसको शराब परीक्षण अल्कोवाईजर मशीन से चेक किया गया तो एल्कोहल की मात्रा 82.6 द्वद्/100 द्वद्य पाया गया, कोई भी दस्तावेज पत्र मौके पर नहीं होना पाया गया । आरोपी वाहन चालक द्वारा शराब के नशे मे वाहन चलाने पर एवं मौके से वाहन के कोई भी दस्तावेज पेश न करने पर अनावेदक चालको का कृत्य धारा 185,130/177 (3) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने पर मौके पर गवाहों के समक्ष चैकिंग पंचनामा तैयार कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दोनों मोटर सायकिल जप्त किया व जप्तशुदा वाहनो को पुलिस स्टाफ की मदद से थाना लाकर थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। अनावेदको के विरुद्ध इस्तगासा क्रमांक 652/2024 , 653/5024 धारा 185,130/177(3) मोटर व्हीकल एक्ट का कायम कर न्यायालय में पेश किया।

शहडोल संभाग की भूमि 'वरदानी भूमि'- उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल

शहडोल रोहित तिवारी

शहडोल। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि शहडोल संभाग की भूमि वरदानी भूमि है यहां मां नर्मदा का उद्गम स्थल है यहां खनिज संपदा का अपार भंडार है। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने में शहडोल संभाग का बहुत बड़ा योगदान है, शहडोल संभाग में अपार खनिज संसाधन है, जो सरकार को वित्तीय क्षेत्र में मजबूत बनता है। उन्होंने कहा है कि हमारी सरकार ने भी शहडोल संभाग के विकास के क्षेत्र में कई कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि जब शहडोल जिले से उमरिया जिले को बनाया गया तब शहडोल जिला छोटा न लगे इस कारण से शहडोल को संभाग बनाया गया तथा शहडोल को उमरिया, कटनी एवं रीवा से जोड़ने के लिए सड़कों का निमार्ण कराया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को शहडोल में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हमारी सरकार विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए भी कईअनेक कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि हमारे विंध्य क्षेत्र के बाणसागर बांध में आईलैंड बनाया है जो की शहडोल जिले के सरसी ग्राम में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र के लोग मालदीप एवं लक्षद्वीप ना जाकर इस सरसी रिसोर्ट में मालदीप एवं लक्षद्वीप जैसे माहौल का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसे ही कई अनेक निरंतर कार्य विंध्य क्षेत्र के लिए करती रहेगी और एक दिन विंध्य क्षेत्र हिंदुस्तान में सबसे विकसित क्षेत्र में आगे रहेगा। उन्होंने कहा कि बिंध्य क्षेत्र के रीवा में एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट लगाया गया है। जब विध्य क्षेत्र के रीवा में सोलर प्लांट लगाया गया तब इस सोलर प्लांट की प्रशंसा अमेरिका एवं ब्रिटेन के बड़े-बड़े अखबारों में भी की गई थी, जो हमारे विंध्य क्षेत्र के लिए बड़े गर्व की बात है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सरकार बनने के बाद मुझे जब प्रभारी मंत्री का प्रभार दिया जा रहा था तब मैंने शहडोल जिले का प्रभार लेने का निर्णय किया था। उन्होंने बताया कि मैं इससे पहले भी मैं शहडोल जिले का प्रभारी मंत्री रहा हुं उस समय मुझे शहडोल की जनता ने काफी प्यार और इस्नेह दिया था, मुझे वही प्यार और इस्नेह फिर से यही खींच लाया और मैंने शहडोल जिले का प्रभार लिया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था स्थिति में हमारा देश 11वीं रैंक से 5वीं रैंक पर आ गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश 2047 तक आर्थिक महाशक्ति का धनी होगा। श्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार गांव एवं शहर के हर घर में नल से जल देने का कार्य कर रही है। जिससे जनमानस को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े और सुगमता के साथ पानी उपलब्ध हो। आयोजित कार्यक्रम सम्मान समारोह का संचालन समाजसेवी श्री संतोष लोहानी कर रहे थे। आयोजित सम्मान समारोह में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार प्रतीक, जिला योजना समिति सदस्य श्री कमल प्रताप सिंह, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ.गिरीस बी रामटेके, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा, डॉ एससी त्रिपाठी, जनअभियान परिसद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, समाजसेवी श्री रोजश्वर उदानिया, सहित काफी संख्या में अन्य समितियों के सदस्यगण, समाजसेवी, चिकित्सक उपस्थित रहे। समारोह में शहडोल जिले के गणमान्य नागरिकों द्वारा उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल को सम्मानित किया गया।

ट्रक में क्रूरता पूर्वक भरे 50 मवेशियों को पुलिस ने छुड़ाया, चार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल रोहित तिवारी

शहडोल। थाना प्रभारी डीके दहिया ने बताया कि सूचना पर नाकेबंदी लगाकर ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, चालक ने भागने का प्रयास किया। पीछाकर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 50 मवेशियों को भी मुक्त कराया है शहडोल जिले में मवेशियों से भरे ट्रक को देवलौंद पुलिस ने जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 50 मवेशी बरामद किए गए हैं। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई है। मुखबिर की सूचना पर देवलौंद पुलिस ने मवेशियों से भरे वाहन का इंतजार किया, जब वाहन नहीं रुका तो पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान वन विभाग के जांच नाके के पास मवेशियों से भरा ट्रक एक बांस से भरे खड़े ट्रक से टकरा गया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर मवेशियों को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया।

शहडोल

थाना प्रभारी डीके दहिया ने बताया कि सूचना पर नाकेबंदी लगाकर ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, चालक ने भागने का प्रयास किया। पीछाकर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 50 मवेशियों को भी मुक्त कराया है।

वॉट्सऐप चैनल फॉलो करें

शहडोल जिले में मवेशियों से भरे ट्रक को देवलौंद पुलिस ने जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 50 मवेशी बरामद किए गए हैं। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई है। मुखबिर की सूचना पर देवलौंद पुलिस ने मवेशियों से भरे वाहन का इंतजार किया, जब वाहन नहीं रुका तो पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान वन विभाग के जांच नाके के पास मवेशियों से भरा ट्रक एक बांस से भरे खड़े ट्रक से टकरा गया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर मवेशियों को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया। जानकारी के अनुसार, देवलौंद थाना पुलिस ने ट्रक क्रमांक यूपी 63 ए टी 4643 को जब्त किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि यह ट्रक छत्तीसगढ़ के भीतरी मार्ग से होते हुए देवलौंद होकर यूपी जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने थाने के सामने नाकेबंदी लगाई। नाकेबंदी देखकर ट्रक चालक गति बढ़ाते हुए भागने लगा। इस पर पुलिस ने ट्रक का पीछा किया। वन विभाग के जांच नाके के पास एक बांस से भरा ट्रक खड़ा था, जिससे मवेशियों से भरा ट्रक पीछे से टकरा गया। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी की और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिसमें चालक मनन पिता सफीउल्लाह निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, और उसके तीन अन्य साथी शामिल हैं थाना प्रभारी डीके दहिया ने बताया कि सूचना पर हमने नाकेबंदी लगाकर ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, नाकेबंदी देखकर चालक ट्रक की गति बढ़ाते हुए भागने लगा। इस दौरान रास्ते में खड़े एक ट्रक से वह टकरा गया। पीछे से हमारी टीम लगी हुई थी। घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ट्रक में क्रूरता पूर्वक भरे गए 38 पाड़ा और 12 नग भैंस समेत 50 मवेशियों को मुक्त कराया गया है। आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

धनपुरी के बहुचर्चित पप्पू गुप्ता हत्या काण्ड का फरार आरोपी बीस साल बाद गिरफ्तार

शहडोल रोहित तिवारी

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में करीब 20 साल पहले हुए बहुचर्चित रमेश उर्फ़ पप्पू गुप्ता हत्याकांड में शामिल रहे फरार आरोपी संतोष पासी पिता स्व. रामदुलारे 42 वर्ष निवासी अमरकंटक रोड धनपुरी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के बीस साल पहले घर से बाहर बुलाकर पप्पू गुप्ता के ऊपर दागी गयी थी गोली मुख्य आरोपी शंकर सिंह की हो चुकी है मौत ,साथी संतोष पकडाया आज से करीब 20 साल पहले वर्ष 2003 में पोस्ट आफिस के पास रहने वाले ट्रांसपोर्टर रमेश उर्फ़ पप्पू गुप्ता पिता स्व. लक्ष्मी चंद गुप्ता 40 वर्ष की उसके उसके घर के सामने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी । इस हत्या काण्ड को शातिर बदमाश शंकर सिंह गोंड़ ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था । जिसमे संतोष पासी भी शामिल था । मुख्य आरोपी शंकर सिंह गोंड़ की कुछ वर्ष पहले मौत हो चुकी है ।जबकि एक अन्य आरोपी हत्या के इस मामले में सजा काटकर जेल से बाहर आ चुका है । फरार आरोपी संतोष पासी की पुलिस पिछले 20 साल से थाना पुलिस तलाश कर रही थी लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पा रहा था । गिरफ्तार आरोपी संतोष पासी के खिलाफ हत्या समेत लूट व डकैती का मामला भी धनपुरी थाने में दर्ज है । इस बीच पुलिस को कल मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या समेत डकैती ,लूट समेत नगर के बहु चर्चित पप्पू गुप्ता हत्याकांड में शामिल फरार आरोपी संतोष पासी चोरी छिपे अपने परिजनों से मिलने धनपुरी अपने घर आया हुआ है । मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर आरोपी के घर की घेराबंदी कराई ,जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया । यह पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है । विदित हो कि धनपुरी में दिनदहाड़े हुए इस चर्चित हत्याकांड के बाद उस समय पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े किए गये थे कि अपराधियों के हौसले अब इतने बढ़ गये हैं कि वह घर से बुलाकर हत्या जैसी वारदात को अंजाम देने से गुरेज नहीं कर रहें हैं । लेकिन बीस साल बाद अब हत्या काण्ड में शामिल आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मृतक के परिवारजन को अहसास हो रहा है कि देर से ही सही परन्तु उन्हें न्याय मिला ।एक अन्य मामले में उसे न्यायालय द्वारा दण्डित किए जाने की भी जानकारी मिली है।

ओशो जन्मोत्सव पर देशभर के अनुयायियों ने कुचवाड़ा में मनाया आध्यात्मिक उत्सव।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

खरगोन,कुचवाड़ा। महान दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरु आचार्य रजनीश चंद्र मोहन (ओशो) के जन्मदिन के अवसर पर उनके अनुयायी देशभर से मध्य प्रदेश के कुचवाड़ा गांव पहुंचे। ओशो के जन्मस्थान पर हुए इस आयोजन में पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, इंदौर, भोपाल, सागर और अन्य कई शहरों से भक्तों का आगमन हुआ।

ध्यान और श्रद्धा का संगम- आयोजन में आए अनुयायियों ने ध्यान, प्रार्थना और भजन-कीर्तन के माध्यम से ओशो को श्रद्धांजलि दी। सुबह के समय ध्यान सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं ने उनके जीवन और विचारों पर आधारित वक्तव्य सुने और उन पर चिंतन किया।

विशेष आयोजन- कुचवाड़ा को ओशो तीर्थ स्थल के रूप में सजाया गया था। इस आयोजन में स्वामी ध्यान सुमित भगवन के नेतृत्व में भव्य समारोह रखा गया। गांव के पटेल बृजेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान ओशो की शिक्षाओं और उनके योगदान पर कई वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

भक्तों की उमंग- आने वाले अनुयायियों ने बताया कि कुचवाड़ा गांव उनके लिए एक तीर्थस्थल है, जहां वे ओशो को उनकी शिक्षाओं और ध्यान विधियों के माध्यम से अनुभव कर सकते हैं। कई लोगों ने इसे उनकी आध्यात्मिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

भाजपा के कार्यकाल में महंगाई की मार, सब्जियां बन गईं शाही फलः धर्मेंद्रकान्त तिवारी

अनूपपुर। भगवा पार्टी अनूपपुर के जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र कांत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आम आदमी पर महंगाई का असर हमेशा से चिंता का विषय रहा है और भाजपा सरकार के कार्यकाल में सब्जियों जैसे लहसुन 400 आलू 45रु.,प्याज 54रु.,टमाटर 42रु.,अदरक 80,मटर 100 रु.,परवल 80 रु.,भिन्डी 80 रूपये ,गोभी 34रु.,शिमला मिर्च 65रु.प्रति किलो के दामों में वृद्धि ने लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया है।प्याज जैसी जरूरी चीजें जो कभी हर घर की जरूरत हुआ करती थीं,अब अनार जैसे विदेशी फलों जितनी महंगी हो गई हैं। इसी तरह आलू जो कभी हर रसोई की जरूरी सब्जी हुआ करती थी,अब लग्जरी आइटम बन गई है।टमाटर जो कभी रसोई की जरूरत हुआ करता था,अब आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है और बाजार में महंगे फलों की तरह बिक रहा है।महंगाई के इस दौर का सबसे चौंकाने वाला पहलू लहसुन की आसमान छूती कीमतें हैं जो अब काजू जितनी महंगी हो गई हैं।जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों ने जनता को सरकार के विकास के संस्करण पर सवाल उठाने पर मजबूर कर दिया है।बढ़ती महंगाई के बारे में बार-बार पूछे जाने के बावजूद भाजपा नेता और प्रवक्ता चुप्पी साधे हुए हैं और इस तथाकथित विकास का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।सवाल यह उठता है कि यह बढ़ती महंगाई विकास का संकेत है या जनहित का विनाश।आम नागरिक के लिए यह सवाल पहले से कहीं ज़्यादा गंभीर हो गया है।भारतीय मीडिया के लिए इन चिंताओं को संबोधित करना और भाजपा के कार्यकाल में महंगाई से पीड़ित लोगों की आवाज़ को बुलंद करना ज़रूरी है।सरकार को जवाबदेह ठहराने और आम लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करने में मीडिया की भूमिका अहम है।भाजपा के शासन में सब्जियों और ज़रूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी पर बुरा असर डाला है।महंगाई के मुद्दे पर भाजपा नेताओं की चुप्पी लोगों की पीड़ा को और बढ़ाती है।मीडिया के लिए इन चिंताओं को उठाना और सरकार से जवाबदेही की मांग करना ज़रूरी है।पारदर्शिता और संवाद के ज़रिए ही बढ़ती महंगाई के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकता है,और आम आदमी का कल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। अनूपपुर भगवा पार्टी के जिला जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र कांत तिवारी ने डबल इंजन की सरकार से गरीब जनता को इस बढ़ती महंगाई से निजात दिलाये जाने की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस सत्तारुढ़ भाजपा सरकार के छलावा को लेकर करेगी 16 को विधानसभा का घेराव-फुन्देलाल

पुष्पराजगढ़ विधायक की पत्रकार वार्ता संपन्न

अनूपपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया है।मध्यप्रदेश में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कर्ज, क्राइम,भ्रष्टाचार,किसानों से छलावा जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुआई में 16 दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश विधानसभा का घेराव प्रदेश के सभी कांग्रेस जन मिलकर करेंगे।

उक्त आशय के विचार पत्रकार वार्ता में

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह,मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव प्रेम कुमार त्रिपाठी,कोतमा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल,जनपद जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह,युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान,जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष पांडे,एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रफी अहमद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव,विधायक पुष्पराजगढ फुन्देलाल सिंह मार्को ने कहा कि भारत के संविधान में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी कुर्सी पर विराजित देश के उपराष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति अपनी प्रतिक्रिया देते हुये यह कहा कि आप झूठ बोलते हो,यह प्रदेश और देश के लिये बडी गम्भीर स्थिती है और उनकी इस प्रतिक्रिया ने जहाँ एक ओर देश की मोदी सरकार को आईना दिखाया है,वहीं प्रदेश में उनकी साख पर प्रश्नचिन्ह लगा है। श्री मार्को ने कहा कि यदि कोई झूठ बोलने वाला राजनैतिक व्यक्ति है तो वह है शिवराज सिंह चौहान।यदि गूगल कर के देखो तो सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाला व्यक्ति शिवराज सिंह चौहान का नाम आता है।उन्होने कहा की मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी लगतार यह बात कही है कि शिवराज सिंह चौहान जनता से झूठ बोलते हैं, व्यवस्था से भी झूठ बोलते हैं।विपक्ष में होने के नाते किसानों के हित में म.प्र.कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी आपसे बात करना चाहते थे, लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने कोई समय देना

उचित नही समझा।यह व्यक्तिगत रूप से कोई अपमान नहीं है,यह व्यवस्था का अपमान है।शिवराज सिंह चौहान में थोड़ी सी भी राजनैतिक मर्यादा बची हो तो देश के उपराष्ट्रपति ने आपके काम के तरीके पर सवाल क्यूं उठाया है...?और यह कहा है कि आप कर क्या रहे हो...? इतने साल से किसान अपनी फसलों के दाम मांग रहे हैं आप मौन हैं...? किसानों के लिये आपने क्या प्रयास किया...? शिवराज सिंह चौहान ने संसद में कहा कि किसानों को लागत से दो गुना समर्थन मूल्य नरेंद्र मोदी कि सरकार देती है। श्री मार्को ने कहा कि इसका मतलब साफ है या तो धनकड साहब की भावना गलत थी या शिवराज सिंह चौहान ने संसद के अंदर झूठ बोला...? मैं धनकड साहब को साधूवाद देता हूँ कि आपने किसानों के हित और अधिकारों की बात कही।इतनी हिम्मत से अपनी सरकार व नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान को आईना दिखाया। श्री मार्को ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान अपका झूठ और पाखंड सर चढ कर बोल रहा है।एक साल पहले शिवराज सिंह चौहान जी ने कहा कि 3100 रूपये धान, 2700 रुपए गेंहू के दाम मिलने चाहिये। अभी केवल 2300 रुपए में धान की खरीदी हो रही है। शिवराज सिंह चौहान को इसी वक्त अपने पद से इस्तीफा देना चाहिये क्युकी आप मध्यप्रदेश में सबसे बडा झूठ बोल कर गये कि 3100 रुपए धान का दाम देंगे लेकिन उन्होने नही दिया जो किसानों के साथ धोखा है।अभी मुख्यमंत्री विदेश गये थे लेकिन म.प्र.में जो पहले से अपना इंवेस्टमेंट कर चुके हैं राईस मिल एसोसियेशन को 2 साल के पैसे नही दिये,जिन लोगों ने इनवेस्ट कर दिया था वह अपने मिलों पर ताले लगा रहे हैं।सरकार का उस पर ध्यान नही है। देश व प्रदेश को कर्ज में डाल कर पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है।

श्री मार्को जी ने कहा आज पूरे मध्यप्रदेश में बांग्लादेश की घटना को लेकर लोग सड़कों पर थे।यह जनता के बीच संदेश क्या है...?यह संदेश कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन था कि दुनिया में यदि कहीं भी अल्पसंख्यक हो तो उसकी रक्षा सरकार को करनी चाहिये।हमारे सारंगपुर सांसद इमरान मसूद ने संसद में एक नोटिस दिया है और यह कहा है कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यक भाई, हिंदू अल्पसंख्यक या अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा हो इसके लिये सरकार दबाव बनाये।जो भी राजनैतिक रूप से कूटनीती होती है या डिप्लोमेसी होती है,उस पर बात करें।व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से सरकार उन पर दबाव बनाये।हमारी ट्रेन जाती है उन पर रोक लगाई जाए।अगर हमारे हिंदू समाज के लोग विदेश में खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं उसके पीछे अगर किसी का फेलियर है तो वह नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय का है।

श्री माकों ने कहा कि हम मांग करते हैं कि आस-पास के देशों में जो हमारे अल्पसंख्यक हैं,चाहे वह बांग्लादेश,पाकिस्तान,कनाडा या अन्य देश हों इसी तरीके से हमले हुए।अमेरिका में भी ऐसी घटनाएं हुई पर नरेंद्र मोदी जी मौन क्युं रहते हैं...? उन्होने कहा कि हमारे देश के महापुरुष और देश की जनता के रहमों करम पर बांग्लादेश बना वहा हमारे लोगों की रक्षा नही होती तो इसका मतलब यह आज के सरकार की असफलता है। हम विदेश मंत्रालय से मांग करते हैं कि डिप्लोमेसी का उपयोग करें व विदेश नीती के तहत निर्णय लें ताकि कोई भी खुद को असुरक्षित महसूस ना करे। श्री मार्को ने कहा म.प्र.में घटित घटनाओं, किसानों की समस्याओं को ले कर 16 दिसम्बर 2024 को मध्यप्रदेश विधानसभा घेराव म.प्र.कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कि अगुआई में किया जा रहा है। जिसमें सभी कांग्रेस जन अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर किसानों की लडाई में सहभागी बनें।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में मंत्री पटेल का संदेश

गीता का मर्म समझकर मानव जीवन सफल हो सकता है

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज

बरेली, जामगढ़- गीता जयंती के अवसर पर जामगढ़ गांव में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने गीता के संदेश और उसके मर्म को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो केवल धर्म की शिक्षा नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी दिखाता है। मंत्री पटेल ने कहा, ÷गीता का मर्म समझने से मनुष्य का जीवन सफल हो सकता है। गीता हमें कर्तव्यपालन और धर्म के साथ जीने की प्रेरणा देती है। यह ऐसा ग्रंथ है जिसे पढ़कर मानव जीवन को एक नई दिशा मिलती है।

कार्यक्रम का आयोजन-

महोत्सव में विशेष रूप से श्रीमद्भगवद गीता के कर्म योग अध्याय का सामूहिक पाठ कराया गया। इस दौरान बापौली धाम के निवेदक जनों ने गीता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय गणमान्य लोगों ने भी गीता के महत्व को रेखांकित किया।

आधुनिक परियोजनाओं की घोषणा-

मंत्री पटेल ने गांव के विकास के लिए 25 लाख रुपये की लागत से

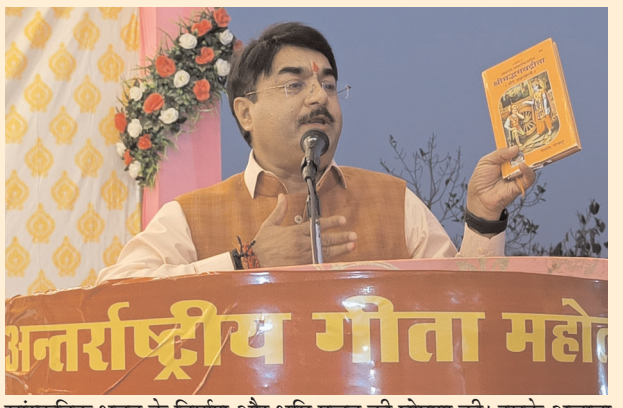

सांस्कृतिक भवन के निर्माण और भूमि पूजन की घोषणा की। इसके अलावा, गांव को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित करने की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। संस्कृति और परंपरा का संगम- कार्यक्रम में भक्ति संगीत, नृत्य, और गीता पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। आयोजन स्थल पर गीता ग्रंथ और अन्य धार्मिक साहित्य का प्रदर्शन किया गया, जिससे आगंतुकों को गीता के गहन संदेशों को समझने का अवसर मिला।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में मानव अधिकार दिवस पर हुआ सेमिनार का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार

नर्मदापुरम। 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में मानव अधिकार एवं नए व्यायाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज के द्वारा किया गया एवं डॉक्टर अभिषेक सिंह के द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। सेमिनार का आयोजन चार सत्रो उद्घाटन सत्र, प्रथम सत्र, द्वितीय सत्र एवं समापन समारोह मे किया गया।शिवम यादव संयोजक व संस्कार गुप्ता सहसंयोजक रहे। कार्यक्रम का संचालन नबीला कुरैशी के दारा किया गया। प्रथम व दितीय सत्र मे छात्रो के दारा पेपर प्रस्तुतीकरण किया गया।प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्री शिवाकांत मौर्य के दारा की गई। दितीय सत्र की अध्यक्षता श्री राजदीप सिंह भदौरिया के दारा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन मे एल एल बी दितीय बष के छात्रो शिवम यादव, तनुश्री,संस्कार गुप्ता,प्रार्थना गौर, स्वाति शर्मा, जुगल किशोर, उत्तम गोलिया, जाहनवी,रोशनी ,मुईन व अन्य विद्यार्थियों के द्वारा किया गया मानव अधिकार पर आयोजित एकदिवसीय सेमिनार में विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न विषयों पर जो पेपर प्रस्तुति की गई उसमें मानवाधिकार के संरक्षण मानव अधिकार के महत्व जम्मू एंड कश्मीर राज्य में कश्मीरी के मानव अधिकारों का संरक्षण विकलांग व्यक्तियों की मानवाधिकार महिलाओं के मानव अधिकार आदि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर परिचय की गई एवं विद्यार्थियों के द्वारा आयोजित मानव अधिकार पर एक दिवसीय सेमिनार का उद्देश्य सफल रहा प्राचार्य डॉ कल्पना भारद्वाज ने विद्यार्थियों को मानव अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित एकदिवसीय सेमिनार की सफल आयोजन के लिए बधाई दी महाविद्यालय के सभी अधिकारियों डॉ अभिषेक सिंह राजदीप सिंह भदोरिया श्री शिवाकांत मौर्य विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की कार्यक्रम में डॉक्टर ओम शर्मा डॉक्टर हरिप्रकाश मिश्रा मनोज शर्मा उपस्थित रहे।

छोटे भाई को मार्गदर्शन करता नाटक - बड़े भाई साहब

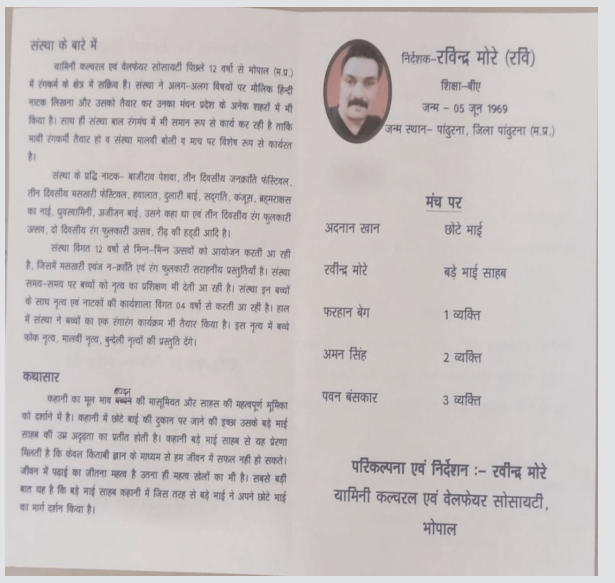

रंग मोहल्ला अभ्यास कक्ष एल बी टी परिसर मैं सोमवार दिनांक 09/12/2024 को रविंद्र मोरे के निर्देशन में लेखक - मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित नाटक - बड़े भाई साहब का मंचन यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संस्कृति संचालनालय के सहयोग से किया गया द्य नाटक में कहानी का मूल भाव बचपन की मासूमियत और साहस के महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है द्य नाटक में छोटे भाई की दुकान पर जाने की इच्छा उसके बड़े भाई की उम्र और अदृढ़ता का प्रतीक होती है द्य बड़े भाई परिश्रमी विद्यार्थी कक्षा में तीन बार फेल हो जाने के बाद भी पढ़ाई से उन्होंने नाता नहीं तोड़ा वे संयमी और गंभीर किस्म का व्यक्तित्व रखते द्य और हर समय अपने छोटे भाई के सामने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए खेलकूद से दूर और अध्ययनशील बने रहते थे। किंतु अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाती थी द्य नाटक में बड़े भाई का किरदार रविंद्र मोरे ने किया एवं छोटे भाई का किरदार अदनान खान ने किया। एवं नाटक बहुत सराहनीय रहा।

अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता अमरनाथ विजेता ।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में संपन्न हुई

विभिन्न विश्वविद्यालयों की एकल नाटक प्रतियोगिता में डॉ बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। ज्ञात हो के विश्वविद्यालय की एकल नाटक प्रतियोगिता में अनुष्का ने प्रथम स्थान प्राप्त कर इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। ज्ञात हो की विभिन्न प्रतियोगिताओं में केवल यही एक प्रतियोगिता थी जिसमें बीआर अंबेडकर यूनिवर्सिटी विजेता रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से अमर नाथ कॉलेज के इतिहास विभाग की प्रवक्ता मांडवी राठौर निदेशक एवं संयोजक की भूमिका में उपस्थित रहीं। प्राचार्य डॉअनिल वाजपेई ने कहा कि यह प्रतियोगिता जीत कर अनुष्का ने कॉलेज का, मथुरा का ही नहीं, डॉ बी आर अंबेडकर यूनिवर्सिटी का भी मान बढ़ाया है सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में राष्ट्रीय एकता विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के कुल आठ विश्वविद्यालयों ने भाग लिया ।

बुंदेल सिंह जाटव सह सचिव पद हेतु उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ इंदौर में नामांकन फॉर्म भरा

सभी अधिवक्ता से अपील की कि चुनाव 18/12/2024 में आप सभी सम्मानित हृदय प्रेमी अधिवक्ता परिवार को बुंदेल सिंह अपना परिवार मानते हैं। उनका चुनाव प्रचार का तरीका सबसे अलग है, चुनाव में इन शब्दों से अधिवक्ताओं के दिल में जगह बना रहें। आप सभी सम्मानित हृदय प्रिय अधिवक्ता परिवार को सादर हृदय से प्रणाम आप सभी वरिष्ठ पिता तुल्य अधिवक्तागण एवं कनिष्ठ हृदय प्रिय अधिवक्ता बंधु, और सिस्टर। हमारा मुख्य उद्देश्य न्याय और समानता को सुनिश्चित करना है। मैं बुंदेल सिंह आपके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हूँ और आपके विचारों को सुनने के लिए तत्पर हूँ। आपका सहयोग आवश्यक है। कृपया अपने मताधिकार का उपयोग करें और इस चुनाव में हमारे साथ रहें। आप सभी सम्मानित अधिवक्ता ही मेरा परिवार है।

सह सचिव पद हेतु बुंदेल सिंह को
अपना मत दे कर अनुग्रहित करें
मो-8602527670

आखिर क्यों आंदोलित है अन्नदाता ?

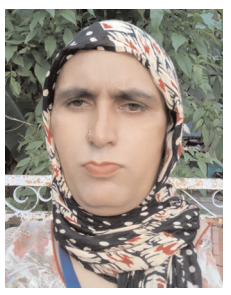

13 दिसंबर 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत हमेशा से एक कृषि प्रधान देश रहा है। हालांकि भोजन के लिए तो लगभग सभी मनुष्य और कई पशु - पक्षी भी कृषि पर ही निर्भर है लेकिन आज औद्योगिकीकरण के युग में भी भारत की आधी आबादी अपना गुजर बसर खेती से ही करती है। मैं स्वयं एक कृषक समुदाय से आती हूं। हमारे बुजुर्ग कहते थे -- %उत्तम खेती, मध्यम व्यापार और नीच नौकरी।% हालांकि उनके समय में अधिकांश खेती सिर्फ़ मानसून पर आधारित होती थी और कुछ बचा पाना भी मुश्किल होता था लेकिन उनकी आवश्यकताएं काफ़ी सीमित थी और चूंकि आसपास के सभी लोग भी खेती ही करते थे और सबकी स्थिति एक जैसी होती थी इसलिए उनमें किसी से कोई तुलना का बोध नहीं था और वे उसी में भी संतुष्ट नज़र आते थे।

आजादी के बाद औद्योगिकरण बढ़ा तो कृषि में हमारी कार्यशील जनसंख्या की आनुपातिक संलग्नता तीन चौथाई से घटकर अब लगभग आधे पर आ गई लेकिन जनसंख्या का आधार बढ़ जाने और जोतों का विभाजन होने से हरित क्रांति के परिणामस्वरूप उत्पादन बढ़ने के बावजूद सेवा और व्यवसाय क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति की आय में जहां 120 से 250 गुना वृद्धि हुई वहीं किसान की आय में मात्र 19 गुना की बढ़ोतरी ही हो पाई। सन् 1964 में सोना लगभग 63 रूपये तोला और गेहूं लगभग 65 रुपए क्विंटल था यानि एक किसान मात्र एक क्विंटल गेहूं बेचकर एक तोला सोना खरीद सकता था वहीं आज सोने का दाम लगभग 75,000 पार और गेहूं का भाव महज 2,500 रुपए के आसपास है यानि अब किसान को एक तोला सोना खरीदने के लिए लगभग 30 क्विंटल गेहूं बेचना पड़ेगा। यानि सोने की कीमतें गुणोत्तर श्रेणी में बढ़ रही है और गेहूं का दाम समांतर श्रेणी में। इतना ही नहीं 1960 के दशक में जन्मे मेरे पिताजी बताते थे कि उनके बचपन में एक रुपए में 16 किलों नमक आता था और आज उसी गुणवत्ता का नमक 16 रुपए में एक किलों भी नहीं आता। सन् 2000 के आसपास एक प्राथमिक अध्यापक का वेतन 10,000 रुपए था जो आज लगभग 50,000 रुपए हो चुका है लेकिन इसी अवधि में किसान द्वारा उपजाई गई किसी भी फसल का दाम दुगुना भी नहीं हुआ। परिणामस्वरूप जीडीपी में कृषि का योगदान निरंतर घटता जा रहा है और इसी को आधार बनाकर सरकारों द्वारा कृषि क्षेत्र की निरंतर उपेक्षा की जाती रही है क्योंकि सरकार यह भी जानती है कि किसान का वोट संगठित नहीं है, वह मतदान के समय जाति - धर्म में बंट जाता है। यही कारण है कि आज भी 57 प्रतिशत जनसंख्या कृषि में संलग्न होने के बावजूद सरकार केंद्रीय बजट का मात्र 2.7 प्रतिशत कृषि हेतु आवंटन कर रही है।

हालांकि आजादी के बाद हरित क्रांति के फलस्वरूप उत्पादन बढ़ने से किसान की थोड़ी - थोड़ी ही सही सकल आय में निरंतर वृद्धि हुई है लेकिन लागत में होती रही बेतहाशा बढ़ोतरी ने अन्नदाताओं के शुद्ध लाभ या बचत को बिल्कुल कर्ज में बदल दिया। ऊपर से अनवरत जारी मौद्रिक अवमूल्यन और असीमित आर्थिक असमानता के बीच नेताओं और उद्योगपतियों द्वारा किया जा रहा पैसों का भोंडा प्रदर्शन उनके जख्मों पर नमक रगड़ने का कार्य कर उन्हें अपने अधिकारों हेतु एकजुट होकर आंदोलन करने को विवश करते हैं।

मैं किसानों के उग्र आंदोलन हेतु सरकार की पूंजीवाद परस्त गलत आर्थिक नीतियां, संवेदनहीनता, हठधर्मिता, क्रूरतापूर्वक दमन, तथाकथित अर्थशास्त्रियों का पूंजीवादी दृष्टिकोण और मीडिया द्वारा उदासीनता या एकतरफा माहौल बनाने की भूमिका को भी बराबर दोषी मानती हूं।

* जब सुई से लेकर माचिस तक की अधिकतम खुदरा कीमत निर्धारित होती है तो किसान अपनी उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग क्यों नहीं कर सकता ?
* जब गरीब किसान द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले खेती के उपकरणों पर भी जीएसटी लगाया जाएगा और नेताओं के वाहनों को टोल मुक्त रखा जाएगा तो किसान को भी अपने हित में आवाज उठाने का हक है।
* जब उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपया माफ़ किया जाएगा लेकिन किसान का कर्ज माफ़ नहीं किया जाएगा या किसान कर्ज माफ़ी के नाम पर भी बीमा कंपनियों को ही फायदा पहुंचाया जाएगा तो किसान अपना आंदोलन करेगा।
* कोरोनाकाल में सिर्फ़ कृषि क्षेत्र की उत्पादन दर सकारात्मक रहने के बावजूद किसान गरीब ही रहा और नेताओं और उद्योगपतियों की संपति 200 से 700 प्रतिशत तक बढ़ जाती है तो किसान भी अपना हक मांगेगा।
* महंगाई कम करने के बहाने सिर्फ़ किसान के अनाज और सब्ज़ियों के दामों को नियंत्रित किया जाता रहेगा और मकान की कीमत या किराया, शिक्षा, इलाज़ व दवाइयों को महंगा करने की खुली छूट दी जाएगी तब किसान भी अपना हक मांगेगा।
* जब नेता और अफसर करोड़ों का बंगला बनाएंगे, अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाएंगे, उनकी शादियों में करोड़ों खर्च करेंगे और किसान को सिर्फ़ दो रोटी के जुगाड से भी उभरने न देने की नीतियां बनती रहेगी तो वह आंदोलन करेगा।
* जब सरकारी स्कूलों और सरकारी अस्पतालों को बर्बाद किया जाएगा तब अपने बच्चों की निजी स्कूल की महंगी फ़ीस भरने और निजी अस्पताल में महंगा इलाज़ करवाने पर मजबूर किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए आंदोलन करने को विवश हो जाता है।
* कुछ पढ़े लिखे लोग भी जिनके पूर्वज खेती करते थे लेकिन चूंकि उनको उनके किसान मां - बाप ने अपनी जमीन बेचकर भी पढ़ाया और अच्छी नौकरी मिल गई अब वे भी अपने को किसान से सुपर समझते हुए और उनसे घृणा करते हुए कहते हैं कि किसानों के आंदोलन और सड़कों पर बैठने से हमें दिक्कत होती है। मैं उन नमकहलालों, सरकारी गुलामों और चमचों से कहना चाहती हूं कि कभी अपने को किसान की जगह सोचकर देखो। आंदोलन का किसी को शौक नहीं होता है, जब बात पेट की आ जाती है, तब मरता क्या न करता ? चाहे वह बेरोजगार युवा हो या आत्महत्या करने वाला किसान, वह सरकार की तरफ़ उम्मीदभरी नजरों से देखता है लेकिन जब सरकारें मुंह फेर लेती है और ठेंगा दिखाती है तब उसके पास अपने हक के लिए आंदोलन के सिवाय दूसरा कोई चारा नहीं रहता।
* जब सरकार चुनाव के समय स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने का वादा करे और फिर बार - बार नई - नई कमेटियां बनाने की लॉलीपॉप देती रहे और कमेटियों में भी अपने लोग ही रखे जो उनकी रिपोर्ट को कभी सार्वजनिक ही न करे और उस कमेटी के लोग मीडिया डिबेट में सरकार को ही सही और किसानों को दोषी ठहराए तो किसानों का आंदोलन करना जरूरी हो जाता है।
* जब सरकारें किसानों द्वारा उपजाए अनाज से अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने का ढिंढोरा पीटती है और उन्हें गद्दार, देशद्रोही, आंदोलनजीवी, खालिस्तानी व विदेशी एजेंट कहती है और उनको दिल्ली आने से रोकने के लिए रास्तों में कील - कांटे बिछाकर, गंदे पानी की बौछार करके, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां दागकर उनके स्वाभिमान को चुनौती देती है तब तो उन्हें भी सरकार को अपनी ताकत का अहसास अवश्य करवाना ही चाहिए।
* दिल्ली में प्रदूषण का दोष नेताओं और अफसरों की गाड़ियों के बजाय सिर्फ़ पंजाब - हरियाणा के किसान द्वारा पराली जलाने को दिया जाएगा, तब किसान अपना आंदोलन करेगा ही करेगा।

अंत में मैं सभी ग़ैर कृषक नागरिकों से भी अपील करती हूं कि सदैव आंदोलनरत वर्ग की सिर्फ़ आलोचना के बजाय सहानुभूतिपूर्वक उनकी व्यथा को समझने का प्रयास करे, उनका साथ दे वर्ना ये तानाशाही सरकार सबके हकों पर डाका डालने वाली है और एक - एक करके सबकी बारी व कुर्बानी निश्चित है।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग, एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

पिपरिया। शहीद भगत सिंह शासकीय महाविद्यालय में एमबीए पाठ्यक्रम की मांग को लेकर मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) के नेतृत्व में छात्रों ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार वर्मा को दिया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पिपरिया क्षेत्र के छात्रों को उच्च प्रबंधन शिक्षा के लिए अन्य जिलों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक और समय संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, पिपरिया, क्षेत्र का प्रमुख शिक्षण संस्थान है, लेकिन यहां एमबीए पाठ्यक्रम उपलब्ध न होने से छात्रों को असुविधा हो रही है। एनएसयूआई कॉलेज अध्यक्ष रोहित सोलंकी ने कहा कि एमबीए पाठ्यक्रम शुरू होना क्षेत्रीय विकास के साथ छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन इस मांग पर जल्द कदम नहीं उठाता है, तो एनएसयूआई बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेगा। ज्ञापन में शामिल मुख्य बिंदु- शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में एमबीए पाठ्यक्रम की तत्काल शुरूआत। क्षेत्रीय छात्रों को उच्च स्तरीय शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। प्रशासन द्वारा छात्रों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई। इस मौके पर एनएसयूआई के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। ज्ञापन पर सभी प्रमुख पदाधिकारियों और छात्रों ने हस्ताक्षर किए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। एनएसयूआई ने यह कदम छात्रों की शिक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया है और प्रशासन से सकारात्मक कदम उठाने की उम्मीद की है। इस अवसर पर रोहित,आरिफ जय,अतुल निखिल प्रशांत गौरव अदनान अनुज, अनुराग, कैलाश सहित समस्त विद्यार्थी और कार्यकर्ता रहे।

जेण्डर आधारित हिंसा रोकने और महिला सुरक्षा हेतु प्राथमिकता से काम कर रही है सरकार – रामपाल सिंह

महिलाओं का यौन उत्पीड़न से सुरक्षा विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित

महिलाओं को दी गई विभिन्न कानूनों अधिनियमों तथा हेल्पलाईन नम्बर त्नकी जानकारी

रायसेन/सिलवानी। जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु जिले में चलाए जा रहे हम होंगे कामयाब अभियान के तहत मंगलवार को पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में सिलवानी स्थित जनपद पंचायत के सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न से सुरक्षा विषय पर जागरूकता सत्र और शासकीय-अशासकीय संस्थाओं में महिला कर्मचारियों के प्रति सुरक्षित वातावरण निर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला बाल विकास विभाग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष दीपक रघुवंशी नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विभोर नायक सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत ने कहा कि आज सरकार ने महिलाओं को सभी क्षेत्रों में काम करने का आगे बढ़ने का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए हैं और महिलाएं ऑनलाईन भी अपनी शिकायतें दर्ज करवा सके, इसके लिए शी पोर्टल वेबसाईट शुरू की गई। इसके अलावा सरकार ने किसी भी आपातकालीन स्थिति में महिलाओं की तुरंत मदद के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे 181, 1090 और 100 डायल शुरू किए हैं जिन पर कॉल कर महिलाएं तुरंत मदद मांग सकती हैं। पूर्व मंत्री श्री सिंह ने कहां की महिलाओं को किसी भी समस्या में, आपातकालीन स्थिति में सरकार से मदद लेने और स्वयं अपना नम्बर देते हुए कहा कि वे कभी भी उन्हें कॉल कर अपनी परेशानी या समस्या बता सकती हैं। उन्होंने महिलाओं को अपने क्षेत्र के थाने का नम्बर, अस्पताल का नम्बर आदि हमेशा रखने की सलाह दी गई। उन्होंने सभी से अपने घर, आसपड़ोस, वार्ड और क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सुरक्षित वातावरण बनाने, महिलाओं का सम्मान करने का आव्हान किया। पूर्व मंत्री श्री सिंह ने सरकार द्वारा महिलाओं, बालिकाओं के हित में चलाई जा रहीं लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना,मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना सहित अन्य योजनाओं का भी उल्लेख किया। अपने उद्बोधन के अंत में पूर्व मंत्री श्री सिंह ने पुलिस और प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि जिले में महिला अपराधों की रोकथाम हेतु तत्परता से काम किया जा रहा है। कार्यक्रम में एसडीएम प्रकाश चंद शाक्य ने कहा कि जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु शासन द्वारा 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक हम होंगे कामयाब पखवाड़ा मनाया गया। जिसके तहत प्रतिदिन सम्पूर्ण तहसील में जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु जनजागरूकता लाने विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शासन महिलाओं के लिए सभी कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने, भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष रेशु विभोर जैन, मंडल अध्यक्ष पूर्व दीपक रघुवंशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास दीपक संकत,नरेश रघुवंशी,महिला बाल विकास प्रभारी परियोजना अधिकारी आबिदा वी, सेक्टर पर्यवेक्षक मान कुअर प्रजापति, सरिता रघुवंशी, सुरक्षा विश्वकर्मा, मालती सेन कार्यक्रम में मौजूद रहे।

बाड़ी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र या दलाली केंद्र

बाड़ी। यूरिया और डीएपी की कीमत आसमान पर पहुंच गई फिर भी भोला भाला किसान ने अपने दुख तकलीफ का कभी ढिंढोरा नहीं पीटा सब कुछ अपने सीने में दफन करने वाला किसान नौकरशाही की दलाली प्रथा रेट से अधिक दाम मांगने पर निराशा और हताश देखा जाता है नौकरशाही जानते हैं किसान मजबूर है दलाल भी जानते हैं किसान कितना मजबूर है उसे सब कुछ समय पर चाहिए और नौकरशाही के पास किसान को परेशान करने के कई हथकांडे हैं अभी हाल ही में डीएपी के नाम पर जिस तरीके से केंद्र ने किसानों से अतिरिक्त राशि भी वसूली और लंबे समय तक उन्हें परेशान भी किया टोकन देने के बाद भी किसान ने काफी पसीना बहाया प्रशासन भी खड़ा रहा लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ जो प्रभारी की मनमर्जी से ही खेल चलता रहा टोकन के पीछे इशारों का बड़ा राज है प्रभारी केंद्र से वही नाम आता है जिस पर इशारा हो जाता है पुलिस प्रशासन यदि केंद्र पर खड़ा है तो वह क्या करेगा क्योंकि सामग्री तो मिल ही रही है अब सामग्री किस आधार पर मिल रही है यह तो केंद्र प्रभारी और उनका विश्वास पात्र ही जाने यह खेल सीजन में वर्षो से खेला जा रहा है और आज भी चल रहा है मजेदार बात तो यह है जब किसान डीएपी की जरूरत होती है तो गोदाम यूरिया से भर जाते हैं खुलेआम यूरिया डीएपी प्राइवेट दुकानों पर सरकारी रेट से 300 से 400 रुपए प्रति बॉडी मिल रहा है लेकिन सवाल यह है यह प्राइवेट स्तर पर माल कहां से आरहा है गोदाम भरी पड़ी है लेकिन डबल लॉक में माल क्यों नहीं वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जिला कलेक्टर अरविंद दुबे को एक पत्र लिखकर निम्न बिंदुओं पर गोदाम प्रभारी के कार्यकाल की जांच करने की मांग की है सितंबर ,अक्टूबर, नवंबर में कितना यूरिया और डीएपी प्रधानमंत्री किसान समुद्री केंद्र को भेजा गया प्रभारी द्वारा भेजा गया मांग पत्र और केंद्र को मिली सामग्री आवक पंजी रजिस्टर प्रतिदिन हुई विक्री निरीक्षण अधिकारी जांच अधिकारी की जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पता चलेगा कि केंद्र में कितना भ्रष्टाचार चल रहा है प्रभारी के मुख्यालय पर नहीं रहने का मामला भी मंत्री के पास भेजा गया है।

एकनाथ शिंदे को देवेन्द्र फड़नवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में गृह विभाग चाहते हैं : शिवसेना नेता

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मिलकर महायुति बनाती है, जिसने पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। नतीजों के 12 दिन बाद गुरुवार को भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे और पवार और उनके सहयोगियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। समाचार एजेंसी पीटीआई ने गोगावले के हवाले से कहा, जब फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे (पिछली शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में), तो उनके पास गृह विभाग भी था। अब, साहेब ने उसी व्यवस्था की मांग की है और (पोर्टफोलियो आवंटन पर) बातचीत चल रही है। रायगढ़ विधायक ने कहा, यह मांग शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई है। हमें उम्मीद है कि अगले दो दिनों में विभागों पर बातचीत पूरी हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे, लेकिन शिवसेना नेताओं ने उन्हें इस पद के लिए मना लिया। हालांकि, वह गृह विभाग को लेकर अड़े हुए हैं, जिसके लिए राज्य पुलिस रिपोर्ट करती है। जून 2022 में, ठाणे के इस मराठा नेता ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह कर दिया, जो संयुक्त शिवसेना के प्रमुख थे। इससे पार्टी में विभाजन हो गया और ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास

अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई।

11 से 16 दिसंबर के बीच होगा मंत्रिमंडल विस्तार : शिवसेना विधायक भारत गोगावले ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने भाजपा से महत्वपूर्ण गृह विभाग की मांग की है और विभागों के बंटवारे पर बातचीत जारी है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले 11 से 16 दिसंबर के बीच मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है।

विभागों के आवंटन पर चल रही बातचीत : बता दें, विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से राज्य की दूसरी राजधानी नागपुर में शुरू होगा। उन्होंने कहा, जब देवेंद्र फडणवीस (शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में) उपमुख्यमंत्री थे, तब उनके पास गृह विभाग भी था। साहेब (शिंदे) ने गृह विभाग की मांग की है और (विभागों के आवंटन पर) बातचीत चल रही है।

पीएम मोदी या अमित शाह के सामने रखी गई मांग : यह पूछे जाने पर कि किससे यह मांग की गई थी, गोगावले ने कहा कि यह शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई है। रायगढ़ जिले के महाड से विधायक ने कहा कि पिछली महायुति सरकार में शिवसेना के पास जो विभाग थे, उन्हें बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभागों के बंटवारे पर बातचीत अगले दो दिन में पूरी हो जाएगी। गौरतलब है, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि शिंदे और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। समारोह में महायुति के शीर्ष तीन राजनेताओं को छोड़कर किसी अन्य नेता को पद की शपथ नहीं दिलाई गई। भाजपा, शिवसेना और एनसीपी महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं।

उत्तराधिकारी के बारे में पार्टी के नेतृत्व की तरफ से सामूहिक तौर पर किया जाएगा निर्णय : मुख्यमंत्री बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में दिग्गज नेताओं और युवा गुट के बीच जारी आंतरिक संघर्ष के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने उत्तराधिकारी के अटकलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शुक्रवार को बताया कि उनके उत्तराधिकारी के बारे में कोई भी निर्णय उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि पार्टी के नेतृत्व की तरफ से सामूहिक तौर पर किया जाएगा। एक साक्षात्कार में ममता बनर्जी ने कहा, मैं पार्टी नहीं हूं, हम पार्टी हैं। यह एक परिवार है और निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाएंगे। उनसे अपने उत्तराधिकारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने इस सवाल को टाल दिया। टीएमसी प्रमुख ने कहा, इसका निर्णय पार्टी करेगी कि लोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ क्या होगा। हमारे पास विधायक, सांसद और बूथ कार्यकर्ता हैं। यह एक संयुक्त प्रयास है। युवा पीढ़ी या अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता देने को लेकर जारी बहस पर ममता ने कहा, सभी महत्वपूर्ण हैं। आज की नई पीढ़ी कल के अनुभवी दिग्गज होंगे। हालांकि, टीएमसी ने आधिकारिक तौर पर किसी उत्तराधिकारी की घोषणा नहीं की है। ममता बनर्जी की टिप्पणी उनके वफादार पुराने नेताओं बनाम अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाली युवा पीढ़ी के नेताओं पर जारी बहस के बीच आई। बता दें कि अभिषेक बनर्जी टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ममता बनर्जी ने राजनीतिक सलाहकारों की भूमिका को संबोधित करते हुए ढ्र-ब्रट पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया। यह 2019 से

ही टीएमसी के लिए राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, कुछ रणनीतिकार घर में बैठकर सर्वेक्षण करते हैं और बाद में उन्हें बदल देते हैं। वे चीजों की व्यवस्था कर सकते हैं लेकिन मतदाताओं को नहीं ला सकते हैं। यह बूथ कार्यकर्ता ही हैं जो गांवों और लोगों को जानते हैं जो वास्तव में चुनाव जीतते हैं। वे उन कारीगरों की तरह हैं जो पैसों के बदले अपना काम करते हैं, लेकिन चुनाव उनसे नहीं जीते जाते।

मौका मिला तो इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने को तैयार : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया। साथ ही संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह गठबंधन की कमान संभालने की मंशा रखती हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। उन्होंने शुक्रवार को एक चैनल न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था। अब इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी इसके नेतृत्वकर्ताओं पर है। अगर वे इसे नहीं चला सकते तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। यह पूछे जाने पर कि वह एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख के बावजूद इस ब्लॉक की कमान क्यों नहीं संभाल रही हैं, बनर्जी ने कहा, अगर मुझे मौका मिला तो मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी। उन्होंने कहा, मैं पश्चिम बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं. भाजपा का मुकाबला करने के लिए गठित इंडिया ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं. हालांकि, आंतरिक मतभेदों और समन्वय की कमी के कारण विभिन्न क्षेत्रों से आलोचना हो रही है. उनकी यह टिप्पणी उनके पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कांग्रेस और अन्य इंडिया ब्लॉक सहयोगियों से अपने अहंकार को अलग रखने और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देने का आह्वान करने के कुछ दिनों बाद आई है. भाजपा ने महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन किया और रिकॉर्ड संख्या में सीटें हासिल कीं. इससे पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी जीत मिली. जबकि झारखंड में झामुमो के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया ब्लॉक ने जोरदार वापसी की. कांग्रेस ने अपनी हार का सिलसिला जारी रखा, महाराष्ट्र में उसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा तथा झारखंड में वह सत्तारूढ़ झामुमो की कनिष्ठ सहयोगी बनकर रह गई।

किसान आंदोलन में हरियाणा के नहीं, पंजाब के जत्थेदार किसान : कृष्णा बेदी

रोहतक, एजेंसी। किसान आंदोलन को लेकर सरकार और किसानों के बीच एक बार फिर से टकराव देखने को मिल रहा है। किसानों ने दिल्ली पहुंचने का ऐलान कर दिया है। इसी बीच हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने दावा किया है कि आंदोलन करने वालों में हरियाणा के किसान नहीं हैं। कृष्ण बेदी ने शुक्रवार को यहां मीडिया से कहा, ये हरियाणा के किसान नहीं है बल्कि पंजाब के जत्थेदार किसान हैं, जिनकी छोटी-मोटी समस्याएं हैं। केंद्र सरकार उन्हें हल कर लेगी। किसानों के लिए हरियाणा सरकार ने सबसे ज्यादा काम किया है। ऐसी फसलों का भी मुआवजा दिया गया है जो फसल अबकी बार नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का वादा किया है। साथ ही पराली प्रबंधन के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को शाबाशी दी है, जबकि पंजाब में ऐसा नहीं हो रहा है। ये सब आंदोलनकारी किसान पंजाब के हैं। कृष्ण बेदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा पर संविधान को खत्म करने का बेबुनियाद आरोप लगा रही है। उसके पास इस बात का जवाब नहीं है कि भाजपा कैसे संविधान को खत्म कर रही है? संविधान कभी भी खत्म नहीं हो सकता क्योंकि यह डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का बनाया हुआ संविधान है, जिसने न केवल भारत को बल्कि विश्व को भी राह दिखाई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा की एआईआईओ प्रमुख उमर अहमद इलियासी ने की निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। झबांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा और इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की

ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन (एआईआईओ) के प्रमुख डॉ. उमर अहमद इलियासी ने निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद स्थिति है और इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। डॉ. उमर अहमद इलियासी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं बांग्लादेश में वर्तमान समय में जो हालात हैं, खासकर वहां के अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को लेकर बेहद चिंतित हूं। यह बहुत दुखद स्थिति है और इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं इस तरह के घटनाओं की कठोर शब्दों में निंदा करता हूं। हमें यह याद रखना चाहिए कि बांग्लादेश और भारत पड़ोसी देश हैं, जो हमेशा एक साथ रहे हैं। भारत ने हमेशा बांग्लादेश की सहायता की है, चाहे वह उनके बुनियादी ढांचे के लिए हो या वहां के नागरिकों की भलाई के लिए। आज जो हालात बन गए हैं, उनमें शांति और अमन की आवश्यकता है। हिंदुओं पर हो रहे जुल्म और अत्याचार को तुरंत रोका जाना चाहिए। इस मामले में मैं बांग्लादेश सरकार के सलाहकार मोहम्मद युनुस से अपील करता हूं कि वे तुरंत इस पर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा, जो लोग स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं और जुल्म ढा रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मैं विशेष रूप से बांग्लादेश के सभी मस्जिदों के इमामों से यह अपील करता हूं कि वे जुमे की नमाज और अन्य दिनों में अपने खुतबे में शांति और अमन का संदेश दें। इस्लाम एक शांति का धर्म है, जो हमेशा शांति और सौहार्द की बात करता है। हमें इस्लाम की असल शिक्षा पर अमल करना चाहिए और हर प्रकार के हिंसा से बचना चाहिए। मैं संयुक्त राष्ट्र, यूएनएचआरसी और अन्य मानवाधिकार संगठनों से भी अपील करता हूं कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। आज हमें यह समझने की जरूरत है कि हम पहले इंसान हैं, फिर किसी धर्म के अनुयायी।

बजट में कमी के चलते केजरीवाल की मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पर लगेगा ब्रेक!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये देगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में कहा था कि जल्द ही इस योजना के तहत पंजीकरण की व्यवस्था भी शुरू कर दी जाएगी। पंजीकरण की व्यवस्था संपन्न होने के बाद महिलाओं के बैंक खाते में योजना के तहत एक हजार रुपये भेज दिए जाएंगे। लेकिन, वित्त विभाग ने बजट की कमी की ओर इशारा किया है। वित्त विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चूंकि, दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक है ऐसे में संभावना मानी जा रही है कि दिल्ली सरकार की इस योजना पर ब्रेक लग सकता है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये देने का ऐलान किया गया था। दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए बजट में 2,000 करोड़ रुपये का आवंटन भी किया था। दिल्ली के बुराड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के बारे में कहा था कि योजना जल्द ही शुरू की जाएगी।

संबलपुर में मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने शुरू की फूलों की बागवानी

संबलपुर, एजेंसी। ओडिशा के संबलपुर स्थित हुतमा गांव की महिलाओं को कई पीढ़ियों से घर के कामों में ही उलझाए रखा गया है, उनका जीवन रसोई, बच्चों और कभी-कभार छोटी-मोटी सब्जियों के खेतों में ही घूमता रहता है. वहीं, पुरुष खेती के कामों में दबदबा रखते हैं, धान और मटर की खेती करते हैं, जबकि महिलाएं परिवार के आर्थिक प्रयासों में सिर्फ दर्शक बनकर रह जाती हैं. हालांकि, 2017 में प्रेरणा की एक छोटी सी चिंगारी ने यहां बदलाव के आंदोलन को प्रज्वलित कर दिया.

मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने एक स्थानीय गेंदा किसान से प्रेरित होकर एक नया रास्ता तय करने का फैसला किया. समूह की एक प्रमुख सदस्य संध्यारानी बघ याद करती हैं, हमने उसे फूल उगाते देखा और सोचा, हम भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते? इस दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने नदी के किनारे एक एकड़ जमीन की पहचान की और इसे एक खिलते हुए बगीचे में बदलने का फैसला किया.

वहीं एक अन्य महिला दीपा बघ कहती हैं कहा कि यह आसान नहीं था. महिलाओं के पास संसाधनों, ज्ञान और सबसे महत्वपूर्ण बात, पारिवारिक समर्थन की कमी थी. शुरू में हमारे परिवारों को हम पर शक था. हमें धान के खेतों में काम करने की भी अनुमति नहीं थी, इसलिए उन्हें फूलों के लिए जमीन देने के लिए मनाना एक चुनौती थी. फिर भी हमारी दृढ़ता ने जीत हासिल की. तबला पंचायत की सीआरपी मंजुलता भायेसा की मदद से समूह ने स्वयं सहायता समूह संघ से 1 लाख रुपये और बैंक से 2 लाख रुपये का अतिरिक्त लोन लिया. उन्होंने इन पैसों का इस्तेमाल कोलकाता से गेंदे के पौधे खरीदने, बाड़ लगाने, खाद्य और सिंचाई में निवेश करने में किया. महिलाओं ने फूलों को लगाने, पानी देने और

उनकी देखभाल करने में लंबा समय बिताया. संध्यारानी संघर्षों को याद करते हुए कहा हैं कि अक्सर पौधों में कीड़े लग जाते थे. हमने स्थानीय किसानों से सलाह ली, कीटनाशकों के बारे में सीखा और धीरे-धीरे परिणाम देखने लगे. जब पहला फूल खिला, तो ऐसा लगता है कि हमने कुछ असाधारण हासिल कर लिया है. केवल ढाई महीने में गेंदे के फूल कटाई के लिए तैयार हो गए. महिलाओं ने अपनी उपज संबलपुर बाजार में बेची, जिससे उन्हें हर महीने 40,000 रुपये की कमाई हुई. वित्तीय लाभ से परे उनके निजी जीवन में भी बहुत बड़ा बदलाव आया. सम्मान अर्जित किया और जीवन भी बदला आज ये महिलाएं सिर्फ गृहिणी नहीं रह गई हैं. वे उद्यमी, कमाने वाली सदस्य और रोल मॉडल हैं. दीपा कहती हैं कि हमारे परिवार अब हमारी ओर देखते हैं. हम अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दे सकते हैं, अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख सकते हैं और यहां तक कि अच्छी साड़ियां जैसी छोटी-मोटी लग्जरी सामान भी खरीद सकते हैं. दीपा गर्व से कहती हैं कि महिलाएं समलेश्वरी मंदिर को फूल भी देती हैं, जिससे उन्हें हर हफ्ते 8,000 से 10,000 रुपये का मुनाफा होता है. पहले हम हर छोटे-मोटे खर्च के लिए अपने पतियों पर निर्भर रहती थीं. अब, हम घर में बराबर का योगदान देती हैं. वह सम्मान बहुत पहले ही मिल जाना चाहिए था. मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की सफलता ने स्थानीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है. जिले के बागवानी विभाग ने गेंदा की खेती की अप्रयुक्त क्षमता को स्वीकार करते हुए महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए सब्सिडी और प्रोत्साहन की घोषणा की है. बागवानी के उप निदेशक हिमांशु शेखर साहू ने संबलपुर में गेंदा के फूलों की मांग पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि जिले को सालाना 8,000 टन गेंदे के फूलों की आवश्यकता होती है, लेकिन स्थानीय स्तर पर केवल 2,700 टन का उत्पादन होता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)